[श्री सदाशिव बागाईतकर]

जा रहे थे तब भी फायरिंग की गई। यह समझ कर कि वे कार में हैं, लेकिन वे जीप में थे, वे बच गये। इस प्रकार से उन पर दो बार फायरिंग की गई। इसमें तीन मजदूरों को चोट आई। मैंने प्रतापपुर की मिल पर जिक्र किया है। यह सरकारी मिल है। इस मिल के अन्दर से फायरिंग हुई है। इसके मैनेजर को सरकार ने नियुक्त किया है। मैं समझता हूं कि यह बड़ी गम्भीर घटना है। मोदीनगर के आस-पास पूरे उत्तर प्रदेश में जिस तरह की लालेसनेस है उससे यह साबित होता है कि संसद-सदस्यों का जीवन भी खतरे से खाली नहीं है। यह हमारी खुशकिस्मती है कि ये बच गये हैं। इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान इस गम्भीर घटना की ओर आकर्षित करता हूं और सरकार से यह प्रार्थना करता हूं कि इसकी पूरी जांच करके संसद-सदस्यों को इस बारे में अवगत कराया जाय।

SHRI G. C. BHATTACHARYA: Ut-tar Pradesh): Sir, we ail should condemn it and we want that there should be an inquiry. The Opposition leaders and the trade union leaders are not safe. Therefore, we want an inquiry and the inquiry should be assured here and now. We want the Home Minister here. (Interruptions) The life of Mr. George Fernandes is not the life of an ordinary man. George' Fernandes' life canot be treated like this. Therefore, Sir, we want an inquiry. We request you Fo kindly ask the Home Minister to make an inquiry and make a statement. We are not going to leave it like this. *(Interruptions)*

MR. CHAIRMAN: That is all right.

SHRI G. C. BHATTACHARYA: Sir, this is a very serious matter. You call the Home Minister here and let him make a statement.

SHRI PILOO MODY (Gujarat): Mr. Chairman, Sir,......

श्री बी० सत्यानारायण रेड्डी (आंध्र प्रदेश) : श्रीमन, हम चाहते हैं कि इस मामले की जुडिशियल इन्क्वायरी कराई जाय और जांच करा कर जो कलप्रिट्स हैं उनको सजा दी जाए। इस में संसद सदस्यों की जिन्दगी को खतरा है।

श्री सभापति : उन्होंने भी यही बात कही है और आप भी वही बात कह रहे हैं।

श्री हुक्मदेव नारायण यादव (बिहार) : श्रीमन् इसी मोदी नगर में हमारे एक लीडर श्री जयप्रकाश की हत्या कर दी गई थी और दूसरी वारदात यह हुई है और इस तरह से श्री जार्ज फर्नेन्डीज की हत्या करने का प्रोग्राम बनाया गया है। यह कोई साधारण बात नहीं है। सरकार की तरफ से इस बारे में जवाब होना चाहिए। इस देश में इस तरह से विरोधी दल के लोगों की हत्या करने की कोशिश की जा रही है . . . (**व्यवधान**)। इस पर सरकार को बयान देना चाहिए। यह साधारण बात नहीं है। जिसको छोड़ दिया जाय।

RE. ADMISSION OF CALLING-AT-TENTION MOTION—Conta.

SHRI PILOO MODY (Gujarat): Mr. Chairman, Sir, on an earlier occasion also I had pointed, out this to you that the manner in which the Calling Attention notices are admitted or the choice of these notices is something which needs to be rectified. On a previous occasion also, Sir, we had boycotted a particular CallingTAtteoiMon Motion which had been admitted on the most trivolous grounds and, as I notice, also involving the same

gentleman, the louourable Member, Mr. Kalpnath Ra: On this occasion, Sir, he is not even h<Te.

But only one n ime is tfiere on the Calling-Attention notice.

MR. CHAIRMAN: I have made'a mental note of th; fact that he insisted, very strongly - with me on having this brought to tl *i* iouse as a Calling attention motion and that he has not the country eve » to inform me that he is not going ,o raise it so that I could have substi uted another, i hope that later in tie day... (Interruptions) .

AN HON. MEMBER; It is most objectionable, *(Int rruptions)*

SHRI PILOC MODY: Why don't you let me flnisl What is more, Sir, I hope that yo . will therefore take with seriousness what we are going to impress upon yu during the rest of the day, and w assure you that we will all be pr< sent throughout that particular disu .ssion. *(Interruptions).*

SHRI LAL K ADVANI (Gujarat): This is sometl in? that' should be seriously taken note of. Afnterrup-*tions)* After all we' have been pressing so many ituies as Calling Attention motions. (Interruptions) We wanted to raise the issue of Tblaha. *(Interruptions)*

'MR. CHAIRI AN; Poland has been raised' today.

SHRI LAL K ADVANI; But he has given a Callin Attention notice and wanted that if lot as a Calling Attention, at least a special mention may be allowed. (Int< *rruptions)*

MR. CHAIR /[AN: It was given by Mr. Kulkam end he withdrew It. *(Ir eiruptions)*

SHRI LAL :. ADVANf: TnTs is a very serious issue and it nas very •erious implic Jens all over the world, *(ft* te I'ruptions) '

MR. CHAIRMAN: I agree with you that it is very difficult.. .(Interruptions) I appreciate it.

SHRI LAL K. ADVANI: On an occasion like this the Government can also inform the House of what its assessment of the situation is.

MR. CHAIRMAN: I am taking that into consideration.

SHRI PILLO MODY; Sir, don't you think he has been purposely spirited away today? *(Interruptions)*

MR. CHAIRMAN: There are only two persons who cannot be... *(Interruptions)*

AN HON. MEMBER: On a point of order. *(Interruptions)*

.MR. CHAIRMAN: I think that is enough.

SHRI M. KALYANASUNDARAM: My friend, Mr. Advani, was mentioning about Poland. Sir, Poland is not a part of India. It is not as important as Sri Lanka... *(Interruptions)* It i~ a very important issue.

(Interruptions)

MR. CHAIRMAN: I have listener! to you that Sri Lanka is more important than Poland. But I can tell you this that my problem is the same, whether Sri Lanka is more important or Poland, or Mr. Kalyanasundaram is more. important than Mr. Advani ot Mr. Piloo Mody. (Interruptions)

SHRI M. KALYANASUNDARAM: So far as Sri Lanka is concerned, it is the problem of Indian people.

MR. CHAIRMAN: It will be at it, proper time, Mr. Kalyanasundaram. One Calling Attention was chosen but the Member is not there. I shall take a serious note of this. *(Interruptions)* .

Now it is better that we take up that Mental Health-Bill, because that is very necessary. *(Interruptions)*

SHRI PILOO MODY: This has been organised by Mr. Kesri (*Interruptions*)

[MR. DEPUTY-SPEAKER *in the Chair*]

श्री हुक्मदेव नारायण यादव (बिहार) : प्वाइंट ग्राफ ग्राडंर। मेरा व्यवस्था का प्रश्न यह है कि कार्यसंचालन नियमावली को उलट कर ग्राप देखें ग्रौर सदन की परम्परा को भी देखें। जो ग्रविलम्बनीय लोक महत्व के प्रश्न पर ध्यान ग्राकर्षित करने की सूचना दी जाती है उसमें कई ग्रौर मेम्बरों का नाम भी रहता है ग्रौर दल के ग्राधार पर भी मेम्बरों को भाग लेने के लिए ग्राप बुला लेते हैं। ग्राज श्री कल्पनाथ राय जो नहीं हैं तो ग्राप ग्रपने ग्रधिकार का प्रयोग करके इस कालिंग ग्रटेंशन को व्यपगत मत होने दीजिए बल्कि कल्पनाथराय जी के बदले में दूसरे दलों के जो लोग हैं, जिस तरह परम्परा के ग्राधार पर लोगों को पुकारा जाता है, उसी तरह से ग्रौर सदस्यों को यह ग्रधिकार दिया जाए। ग्राप ग्रपने विशेषाधिकार का प्रयोग कर के हमको उस पर प्रश्न पूछने की ग्रनुमति दीजिए ग्रौर सरकार का इस पर जवाब ग्राना चाहिए। ग्रगर ऐसा नहीं होगा तो यह ग्राप देख रहे हैं कि यह उचित नहीं हो रहा है। हम लोग जो ग्राये हैं, हम लोगों को बहस करने का ग्रवसर नहीं दिया जाएगा तो यह उचित नहीं होगा। यह ग्रधिकार ग्राप को है। ग्रगर वे नहीं हैं तो ऐसे महत्वपूर्ण सवाल जो किसानों से संबंध रखते हैं, जहां पर गन्ने का सवाल हो इन सवालों पर सरकार की नीति स्पष्ट होनी चाहिए। इन मामलों को ग्राप मरने मत दीजिये। 100 में से 70 ग्रादमी किसान हैं, यह उनकी रोजी-रोटी का सवाल है, इसी तरह से किसानों ... सत्ताधारी दल की तरफ से हो रही है, किसान मारा जा रहा है, इसलिए यह उचित नहीं है।

श्री उपसभापति : देखिये, कालिंग ग्रटेंशन में जिसका नाम लिखा होगा ग्रटेंशन वही काल कर सकता है। उसके बाद ग्रौर जो चाहें बोलें। लेकिन शुरू करने के लिए जिसका नाम ग्रंकित होता है उसी व्यक्ति को बुलाया जाता है जिसका नाम ग्रंकित है उसको ही बुलाया जाएगा। इसलिए चूंकि श्री कल्पनाथ राय जी मौजूद नहीं हैं यह ग्रटेंशन कालिंग ग्रब टेक-ग्रप नहीं कर सकते।

श्री हुक्मदेव नारायण यादव : ग्राप ग्रपने विशेषाधिकार का प्रयोग कर के किसी ग्रौर सदस्य को कहिये।

श्री उपसभापति : वह ग्रधिकार नहीं है, ऐसा ग्रधिकार नहीं है ग्रगर होता तो पहले ही हम कर देते।

श्री हुक्मदेव नारायण यादव : वे ऐसा क्यों करते हैं ?

श्री उपसभापति : ग्राप उनसे बात करिये। उनसे पूछिये।

श्री हुक्मदेव नारायण यादव : हम नहीं पूछेंगे। लाठी के हाथ से सत्ताधारी दल के लोग कालिंग ग्रटेंशन में मिलीभगत करते हैं ... (व्यवधान) यह ठीक नहीं है। (व्यवधान)

श्री उपसभापति : यह ग्राप उनसे पूछें। (व्यवधान)

REFERENCE TO THE REPORTED USURPTION OF RESIDENTIAL. PLOTS BY LANDLORDS IN ASHOK NAGAR, A TRANS-YAMUNA COLONY IN DELHI

श्री कलराज मिश्र (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति महोदय, दिल्ली में यमुनापार